बालमन कुछ कहता है

चित्र बनाना

मेरा नाम आरती है मैं तीसरी कक्षा एफ में पढ़ती हूँ मुझे बड़े होकर चित्रकार बनना है मुझे अपनी कॉपी पर तितली गुड़ियाँ और फूल बनाना बहुत अच्छा लगता है मैंने एक चित्र तितली का मेरी कक्षा के बोर्ड पर लगाया और मैम ने मुझे पुरस्कार भी दिया मैं और बड़ा चित्रकार बनना चाहती हूँ।

नाम:- आरती
कक्षा:- तीसरी एफ
विद्यालय का नाम:- निगम प्रतिभा विद्यालय
महावीर इन्क्लेव II/III (I)
नई दिल्ली - 110059
घर का पता :- बी - 625,
गली नं० 35, महावीर इन्क्लेव,
पार्ट - II, नई दिल्ली - 110059

बालमन कुछ कहता है

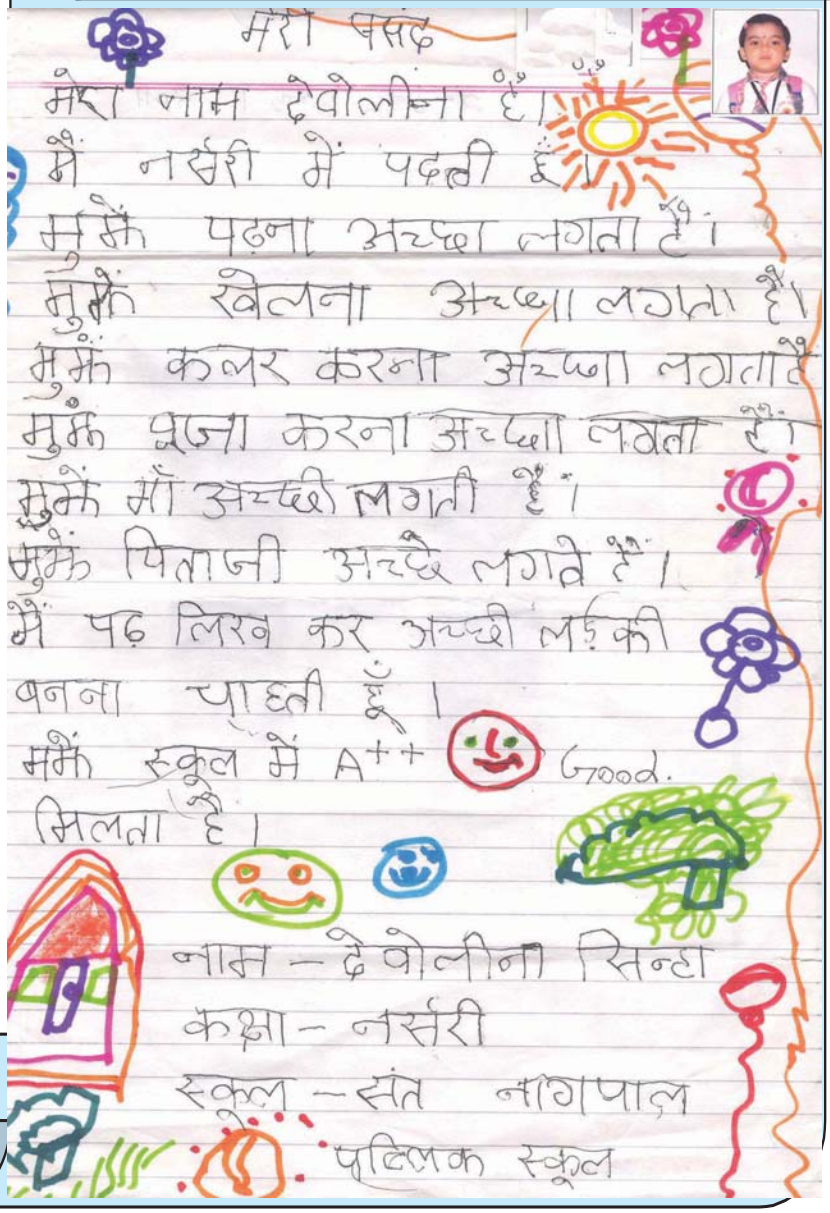
मेरी पसंद
मेरा नाम देवोलीना है।
मैं नर्सरी में पढ़ती हूँ।
मुझे पढ़ना अच्छा लगता है।
मुझे खेलना अच्छा लगता है।
मुझे कलर करना अच्छा लगता है
मुझे पूजा करना अच्छा लगता है।
मुझे माँ अच्छी लगती है।
मुझे पिताजी अच्छे लगते हैं।
मैं पढ़ लिख कर अच्छी लड़की
बनना चाहती हूँ।
मुझे स्कूल में A++ Good.
मिलता है।
नाम – देवोलीना सिन्हा
कक्षा – नर्सरी
स्कूल – संत नागपाल
पब्लिक स्कूल

प्राथमिक शिक्षक पत्रिका के बारे में

साथियों,

प्राथमिक शिक्षक पत्रिका में प्रारंभिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर आधारित ऐसे लेख प्रकाशित किए जाते हैं जो एक शिक्षक के लिए उपयोगी हों। इस पत्रिका के कुछ महत्वपूर्ण सरोकार हैं–

- शिक्षा संबंधी महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों की जानकारी एवं विवेचन
- समसामयिक शैक्षिक शोध एवं अध्ययनों का विवरण
- समसामयिक शैक्षिक चिंतन
- शिक्षकों एवं शिक्षाविदों के अनुभव
- शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए व्यावहारिक बाल मनोविज्ञान
- शालाओं एवं शिक्षा केंद्रों की समीक्षा
- शिक्षा संबंधी खेल एवं उनकी उपयोगिता
- विभिन्न शिक्षण विधियाँ
- क्रियात्मक शोध और नवाचार
- शिक्षकों के लिए पठनीय पुस्तक के बारे में जानकारी आदि।

कैसे भेजें रचनाएँ

उपरोक्त सरोकारों पर आधारित लेख, संस्मरण, कविताएँ आदि आमंत्रित हैं। कृपया ध्यान रखें कि लेख सरल भाषा में तथा रोचक हों। शोधपरक लेखों के साथ संदर्भ साहित्य की सूची अवश्य दें। लेखों के प्रकाशन के उपरांत समुचित मानदेय की व्यवस्था है। लेखों की त्रुटिरहित टंकित प्रति अगर सी.डी. में भेज सकें तो अच्छा रहेगा। लेख ई-मेल द्वारा भी भेजे जा सकते हैं। अपने लेख निम्न पते पर भेजें –

अकादमिक संपादक

प्राथमिक शिक्षक

प्रारंभिक शिक्षा विभाग

एन.सी.ई.आर.टी.

श्री अरविंद मार्ग

नयी दिल्ली 110016

ई. मेल- deencert @ yahoo.co.in

कैसे बनें सदस्य

इस पत्रिका के सुचारु रूप से प्रकाशन, प्रचार एवं प्रसार के लिए पाठकों तथा लेखकों का सहयोग अनिवार्य है। इस संदर्भ में आपसे निवेदन है कि इस पत्रिका के स्थायी सदस्य के रूप में अपने विद्यालय, संस्थान अथवा स्वयं को पंजीकृत करवाने का कष्ट करें। इसका वार्षिक चंदा केवल ₹ 260 है और प्रति कॉपी का मूल्य मात्र ₹ 65 है। आशा है आप इस दिशा में शीघ्र ही निर्णय करके विद्यालय, संस्थान अथवा निजी वार्षिक सदस्यता के लिए कार्यवाही करेंगे। वार्षिक सदस्यता शुल्क-पत्र के लिए अपना पत्र स्वनामांकित लिफ़ाफे सहित **बिज़नेस मैनेजर, प्रकाशन विभाग (एन.सी.ई.आर.टी.) श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली-16** को भेज सकते हैं।